हिंदी सीखो

ALIF LAAM MEEM
A PUBLICATION OF
MS RESEARCH FOUNDATION

पाठमाला

TERM - 1

एकीकृत मूल्य आधारित पाठ्यक्रम

मिल्लत फ़ाउंडेशन

फ़ॉर एजूकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट

MFERD

रेखांकरण

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के परिच्छेद

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा २००५ का संग्रहित विश्लेषण

यह एक तथ्य है कि शिक्षा प्राप्ति के जो तरीक़े अपनाए गए हैं वे छात्रों एवं माता-पिता पर बोझ बनते जा रहे हैं। इस लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा २००५ ने पाँच मार्गदर्शक नियमों का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

(i) शिक्षा को पाठशाला के बाहर की दुनिया से जोड़ना ।
(ii) सीखते समय रटने की विधि के हटाने को सुनिश्चित बनाना।
(iii) पाठ्य पुस्तकों के अतिरिक्त पाठ्यक्रम की समृद्धि
(iv) परीक्षा को लचकदार बनाना और कक्षा को जीवन से जोड़ना
(v) संवेदना पूर्ण पोषण एवं चिन्ताशील लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए पहचान बनाना।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा २००५ शिक्षात्मक दृष्टि से।

एक बहुसांस्कृतिक समाज को शिक्षा, मूल्य, मानवता सहनशीलता तथा शांति को बढ़ावा देने योग्य होना चाहिए। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा के भीतर एक ऐसा ढांचा तत्पर किया गया है जो अध्यापकों और पाठशालाओं के अनुभव को प्रयोग में लाते हुए छात्रों की सोच के अनुरूप हो।

इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम अनुभव के आधार पर तैयार होना चाहिए। परन्तु इस के मुख्य प्रश्न कुछ इस प्रकार हैं।

(i) क्या पाठशाला शिक्षात्मक उद्देश्य को वांछित रूप से पूरा करने का प्रयास कर रहा है?
(ii) शिक्षात्मक उद्देश्य की प्राप्ति हेतु क्या अवलोकन किया जाना चाहिए।
(iii) इन शिक्षात्मक अवलोकनों को भाववाहक ढंग से किस प्रकार संगठित बनाया जा सकता है?
(iv) वांछित शिक्षात्मक उद्देश्य के समापन को किस प्रकार सुनिश्चित बनाया जाए?

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूप रेखा २००५ के शिक्षात्मक मार्गदर्शक नियम

बढ़ती आयु के साथ-साथ बालक अपने वातावरण से प्राकृतिक रूप से भिन्न कौशल प्राप्त कर लेते हैं। इस के अतिरिक्त वे अपने आस-पास के वातावरण और जीवन का भी अनुसरण करते हैं। जब वे कक्षा में प्रवेश करते हैं तो उन के प्रश्न पाठ्यक्रम को स्थिर और अधिक रचनात्मक बना सकते हैं। ऐसे सुधार स्वीकृत पाठ्यक्रम नियमों के चलन में सहायक होते हैं जो ज्ञात से अज्ञात, तथ्य से कल्पना तथा क्षेत्रीय से वैश्विक की ओर ले जाते हैं।

एम एफ़ ई आर डी की पुस्तकें राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूप रेखा के मार्गदर्शक नियमों पर तैयार की गई हैं। हम चाहते हैं कि NCF की ओर से बनाए गए शिक्षात्मक उद्देश्य के कार्यान्वयन में न केवल हमारे छात्र अपनी पूर्ण भूमिका निभाएँ बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में ईमानदार तथा उत्तरदायी नागरिक बनें । हम गंभीरता एवं विश्वास के साथ इस पाठ्यक्रम पर चले तो छात्रों का व्यक्तित्व निखरेगा जो आगे चल कर दूसरों के लिए सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शन सिद्ध होगा।

एम.एफ़.ई.आर.डी के दृष्टिकोण को जानने हेतु कृपया आप पुस्तक के पिछले पृष्ठ का अध्ययन करें।

परिचय

मिल्लत फ़ाउंडेशन फॉर एजूकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट एक संगठन है जो प्रसार, समन्वय, सहयोग, सहकारिता एवं मुस्लिम शैक्षिक संस्थाओं को एक सार्वजनिक मंच प्रदान करने हेतु स्थापित किया गया है। इस प्रकार इस्लामी संविधान की सीमाओं में रहते हुए शैक्षिक मैदान में व्यक्तिगत एवं संस्थाओं द्वारा उत्कृष्टता प्राप्त करना है।

एम.एफ.ई.आर.डी का उद्देश्य शोध एवं विकास के माध्यम से भिन्न प्रकार की ऐसी चुनौतियों को संबोधित करना एवं उनका समाधान खोजना है जिनका शैक्षिक संगठन सामना कर रहे हैं। इस का एक प्रमुख कार्यक्रम पाठशाला तथा विद्यालय के लिए मूल्य पर आधारित पाठ्यक्रम तत्पर करना है जो भविष्य की पीढ़ी को विशिष्टता के लिए तैयार कर सके।

पाठ्यक्रम सीखने एवं अनुभव करने हेतु जिस के माध्यम से छात्र शिक्षाविदों, गतिविधियों, सीखने के वातावरण, मूल्यांकन, पारस्परिक वार्तालाप जैसे समूह कार्य छात्र अध्यापकों के साथ पाठशाला में प्रवेश के पश्चात से बाहर आने तक करता है। कई वर्ष बच्चे के मनोविज्ञान, शिक्षा में इस्लामी परिप्रेक्ष्य एवं भिन्न पाठ्यक्रमों की समीक्षा के पश्चात् एम.एस रिसर्च फ़ाउंडेशन ने मूल्य पर आधारित पाठ्यक्रम बनाया है जो राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अनुकूल है। यह बच्चों के संपूर्ण विकास, स्वयं की पहचान, समय की आवश्यकता तथा उस को भविष्य का मार्ग-दर्शक बनाने में सहयोग देगा।

निम्नलिखित पर आधारित

- उद्देश्य इस्लाम, मनोविज्ञान, शिक्षा तथा हितैशियों के अनुसार।
- पाठ्य-विवरण आयु तथा सरकारी स्तर के अनुकूल।
- कार्यप्रणाली जो छात्र केंद्रित तथा विषय के उपयुक्त साधन में अध्यापकों का प्रशिक्षण, शिक्षण में सहयोगी सामग्री एवं शिक्षक का मार्ग-दर्शन शामिल है।

- मूल्यांकन - रचनात्मक, योगात्मक, स्वयं, सह-शैक्षिक, व्यवहारवादी एवं दीर्घकालिक।
- गतिविधियाँ - पाठ्यक्रमिक, सह-पाठ्यक्रमिक तथा अतिरिक्त पाठ्यक्रमिक, आयोजन के लिए दिशा निर्देशन के साथ।
- समय बद्धता - तिथिपत्र, दिन-वर्ष की योजना, काम का बोझ, अवधि विभाजन तथा प्रतियोगिताएँ।
- अवलोकन - प्रतिक्रिया एवं अनुसंधान।

सेन्ट्रल अकेडमी फ़ॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (CARD)

(केन्द्रित प्रशिक्षण शाला विकास एवं शोध खंड) की स्थापना परियोजना बनाने, प्रशिक्षण देने तथा विभिन्न पाठशालाओं के सभी स्तरों पर पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन के निरीक्षण हेतु की गई है।

विषय सूची

क्रम	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्य
१.	भाषा का ज्ञान	१ - ५
२.	आज्ञाकारी मुर्ग़ा (कविता)	६ - १०
३.	महान वैज्ञानिक-१ (प्रेरक कथा)	११ - १६
४.	क्रोध का परिणाम (ऐतिहासिक कथा)	१७ - २३
५.	बाघ आया उस रात (काल्पनिक कविता)	२४ - २८
६.	संदेह (शिक्षा प्रद कथा)	२९ - ३४
७.	आत्मिक बल (वास्तविक कथा)	३५ - ४१
८.	भूमि आकर्षण (कविता)	४२ - ४६
९.	श्रम का फल (श्रम का महत्व)	४७ - ५३

भाषा की योग्यता और कौशल

क्र.स.	पाठ का नाम	विधा	सुनना बोलना, समझना और पढ़ना	लिखना	शब्द कोश/व्याकरण	दृश्य श्रव्य कौशलों का विकास	मूल्य
1)	भाषा का ज्ञान	ज्ञानवर्धक	भाषा के रूप और उनका परिवर्तन	शुद्ध लेखन पर बल देना, परियोजना कार्य।	व्याकरण की समस्त जानकारी	पढ़ने और लिखने की क्षमता	व्याकरण के द्वारा भाषा में दक्ष होना।
2)	आज्ञाकारी मुर्ग़ा	कविता	कविता को छात्रों द्वारा स्पष्ट और शुद्ध ध्वनि आरोह-अवरोह के साथ पढ़ना।	प्रश्नोत्तर, पंक्तियों का भावार्थ लिखना।	शब्द-बल, वाक्य प्रयोग और लिंग।	अल्लाह के आदेश का पालन	मुर्ग़े द्वारा अल्लाह के आदेश का पालन, प्रात:काल सब को जगाना।
3)	महान वैज्ञानिक-१	प्रेरक कथा	पाठ को छात्रों द्वारा शुद्ध उच्चारण में पढ़वाना एवं कठिन शब्दों के अर्थ को मित्रों द्वारा चर्चा करवाना।	प्रश्नोत्तर, परियोजना कार्य।	शब्दबल, पर्यायवाची, विलोम, प्रत्यय	विज्ञान के संबंध में जानकारी देना।	लगन सफ़लता की कुंजी है।
4)	क्रोध का परिणाम	ऐतिहासिक कथा	विराम चिन्हों का प्रयोग करते हुए पढ़ना एवं पाठ को समझना।	प्रश्नोत्तर, परियोजना कार्य।	शब्दबल, पर्यायवाची शब्द, वचन, शब्द समूह।	क्रोध के परिणाम पर प्रकाश डालना।	क्रोध सहन करना ही समझदारी है।
5)	बाघ आया उस रात	काल्पनिक कविता	कविता को छात्रों द्वारा उच्च स्वर में हाव-भाव एवं लय के साथ पढ़ने का आदेश दें। त्रुटियों का सुधार।	प्रश्नोत्तर, पंक्तियों का भाव स्पष्ट करना।	शब्द बल, लिंग, विलोम, मुहावरे	बालक की कल्पना को ध्यानपूर्वक विचार करना।	कल्पाना और भय से बाहर निकालना।
6)	संदेह	शिक्षा प्रद कथा	पाठ का आदर्श वाचन कर कुछ छात्रों के पाठ का अनुकरण वाचन करना एवं त्रुटियाँ को सुधारना।	प्रश्नोत्तर, परियोजना कार्य	कारक, पत्र लेखन	संदेह के कुपरिणाम के बारे में बताना।	संदेह से बचने के उपाय।
7)	आत्मिक बल	वास्तविक कथा	पाठ को छात्रों द्वारा शुद्ध उच्चारण में पढ़वाना एवं कठिन शब्दों के अर्थ को मित्रों द्वारा चर्चा करवाना।	परियोजना कार्य, वर्ग पहेली	विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, शब्द समूह और बहु वैकल्पिक प्रश्न	नीयत और आत्मिक बल का महत्व बताना	आमाल का दारोमदार नीयतों पर है। मनुष्य को वही मिलेगा जिस का उसने संकल्प किया है।
8)	भूमि आकर्षण	कविता	कविता को शुद्ध शब्दोच्चारण में लय के साथ पढ़ना।	भावार्थ, प्रश्नोत्तर, निबंध	रिक्त स्थान, वचन, पर्यायवाची शब्द, काल	विज्ञान के संबंध में न्यूटन की अधिक जानकारी	पृथ्वी में आकर्षण शक्ति अल्लाह की देन है।
9)	श्रम का फल	रोचक कथा	पाठ को पढ़ना एवं समझना पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नोत्तर, निबंध	रिक्त स्थान, विलोम और काल	श्रम का महत्व एवं परिणाम बताना।	देने वाला हाथ लेने वाले हाथ से बेहतर है।

अवधान (Involve)

छात्रों को भावुक रूप से उनके किसी अनुभव से जोड़ना जो पाठ के केन्द्रित विचारों से संबंधित हो।

अध्ययन (Read)

अध्ययन में गद्य एवं पद्य के पाठ सम्मिलित किए गए हैं?

संवेदना (Empathise)

पाठ के चलते छात्रों का ध्यान बनाए रखने एवं वे स्वयं को उसी स्थिति में रखकर विचार करने हेतु प्रश्न करना।

३ महान वैज्ञानिक-1

अवधान (Involve) सफ़लता प्राप्त करने के लिए हमें क्या करना चाहिए।

अध्ययन (Read)

सुबह का समय था। एक वैज्ञानिक ने अपने कार्यालय में प्रवेश लिया और अपने अफ़सर को सलाम किया। अफ़सर उच्च आचार-विचार और नेक चरित्र का मनुष्य था। वह उठा और अपने कर्मचारी का हार्दिक स्वागत किया और उसके परिवार का हाल चाल पूछा। कर्मचारी वैज्ञानिक ने कहा सब कुछ कुशल है। शहर में प्रदर्शनी लगी हुई है बच्चों की ज़िद है कि आज शाम उन्हें वहाँ ले जाऊं। वचन कर आया हूं कि, कार्यालय का समय समाप्त होते ही तुरन्त घर आकर बच्चों को अवश्य प्रदर्शनी (नुमाइश) ले जाऊंगा। केवल आपकी अनुमति चाहिए।

अफ़सर को ज्ञात था कि यह वैज्ञानिक बहुत परिश्रमी है और कार्यालय का समय समाप्त होने के बाद भी अपनी प्रसन्नता से अधिक समय तक कार्य करता है।

अफ़सर ने कहा, हाँ क्यों नहीं, तुम प्रसन्नता से जा सकते हो। बच्चों से वचन किया है।

संवेदना (Empathise) पत्नी की बात सुनकर वैज्ञानिक के मन में अपने अफ़सर के प्रति क्या विचार उत्पन्न हुए होंगे?

वैज्ञानिक ने एक ठंडी सांस ली और मन-ही-मन अफ़सर को धन्यवाद कहने लगा और विचार करने लगा कि बड़े लोगों की बड़ी बातें होती हैं। उस दिन से उसके हृदय में अफ़सर के प्रति सम्मान और भी बढ़ गया।

अगले दिन जब वैज्ञानिक कार्यालय पहुंचा तो अफ़सर गाड़ी से उतर रहे थे। वैज्ञानिक तीव्र गति से अफ़सर की ओर गया और हाथ जोड़कर धन्यवाद कहने लगा। वह बोला, आपने मुझे बच्चों के सामने लज्जित होने से बचा लिया और बच्चों की इच्छा का मान रखा। आप ने मुझ पर इतना बड़ा उपकार किया। मैं आपका बहुत आभारी हूं। अफ़सर ने कहा, ऐसा मत कहो, मैं भी उन बच्चों के लिए दादा समान हूं। मैं जब कल तुम्हारी ओर आया तो मैंने तुम्हें एक महत्वपूर्ण परीक्षण में खोया हुआ पाया। तुम्हारे कार्य में बाधा डालना मुझे उचित न लगा। मैंने विचार किया क्यों न मैं ही तुम्हारे बच्चों को प्रदर्शनी ले जाऊं। यह सुनकर वैज्ञानिक दोबारा धन्यवाद करने लगा।

बच्चो! जानते हो यह अफ़सर कौन थे? यह हमारे भारत देश के सब से बड़े वैज्ञानिक भारत रत्न डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम थे। उन को डॉ. कलाम भी कहते हैं। डॉ. कलाम ने अपने वैज्ञानिक प्रयत्नों और कारनामों से भारत का नाम पूरे विश्व में रोशन कर दिया। उनके प्रयासों और निरंतर परिश्रम से लोगों में विज्ञान विषय की रुचि उत्पन्न हुई। उनकी उपलब्धियों और उनके योगदान को देखते हुए उन्हें भारत के राष्ट्रपति पद के लिए चुना गया। डॉ. कलाम को उनके गुणों के कारण दुनिया सदैव याद रखेगी।

प्रवचन

मुश्किल इस दुनिया में कुछ भी नहीं, फिर भी लोग अपने इरादे बदल देते हैं,
अगर सच्चे दिल से हो चाहत कुछ पाने की, तो रास्ते के पत्थर भी अपनी जगह छोड़ देते हैं।

चिंतन (Contemplate)

चिंतन – मनन द्वारा छात्रों में समझने की योग्यता, वास्तविकता की पहचान, उनसे परिणाम निकालना तथा प्रश्न के उत्तर देना है?

वार्तालाप (Communicate)

वार्तालाप द्वारा छात्रों मे सुनने और बोलने की क्षमता तथा विचार प्रकट करने की रूचि उत्पन्न करना है।

विश्लेषण (Reflect)

विश्लेषण द्वारा छात्रों में पाठ के शीर्षक की समझ तथा उसके उद्देश्य का ज्ञान युक्तिपूर्ण रूप से कराना है।

विकास (Evolve)

आत्म विश्वास के साथ जीवन की कठिनाइयों का सामना करने की योग्यता उत्पन्न करना है।

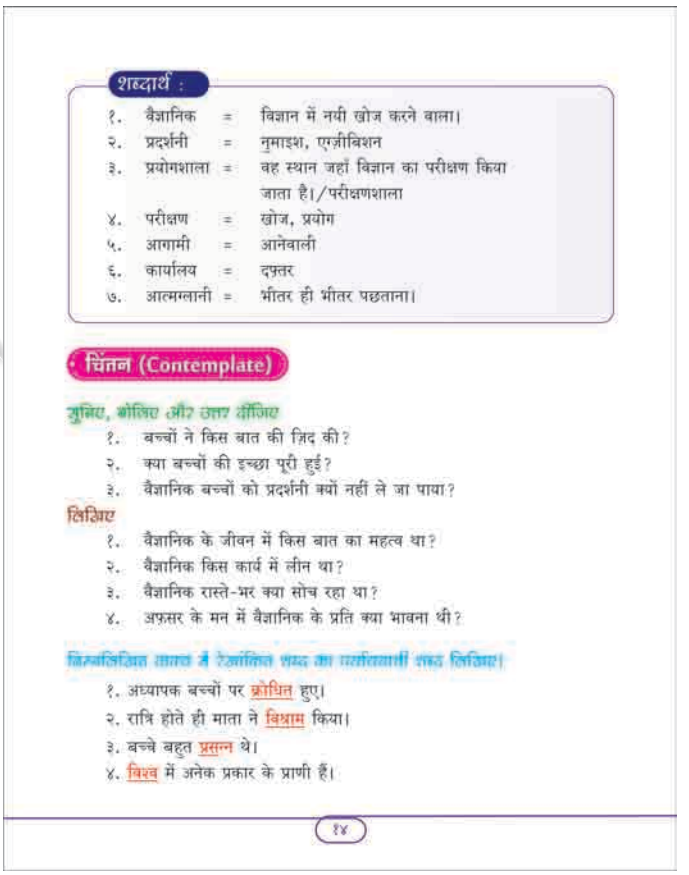

शब्दार्थ :

१. वैज्ञानिक = विज्ञान में नयी खोज करने वाला।
२. प्रदर्शनी = नुमाइश, एग्ज़ीबिशन
३. प्रयोगशाला = वह स्थान जहाँ विज्ञान का परीक्षण किया जाता है।/परीक्षणशाला
४. परीक्षण = खोज, प्रयोग
५. आगामी = आनेवाली
६. कार्यालय = दफ़्तर
७. आत्मग्लानी = भीतर ही भीतर पछताना।

चिंतन (Contemplate)

सुनिए, बोलिए और उत्तर दीजिए

१. बच्चों ने किस बात की ज़िद की?
२. क्या बच्चों की इच्छा पूरी हुई?
३. वैज्ञानिक बच्चों को प्रदर्शनी क्यों नहीं ले जा पाया?

लिखिए

१. वैज्ञानिक के जीवन में किस बात का महत्व था?
२. वैज्ञानिक किस कार्य में लीन था?
३. वैज्ञानिक रास्ते-भर क्या सोच रहा था?
४. अफ़सर के मन में वैज्ञानिक के प्रति क्या भावना थी?

निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्द का पर्यायवाची शब्द लिखिए।

१. अध्यापक बच्चों पर क्रोधित हुए।
२. रात्रि होते ही माता ने विश्राम किया।
३. बच्चे बहुत प्रसन्न थे।
४. विश्व में अनेक प्रकार के प्राणी हैं।

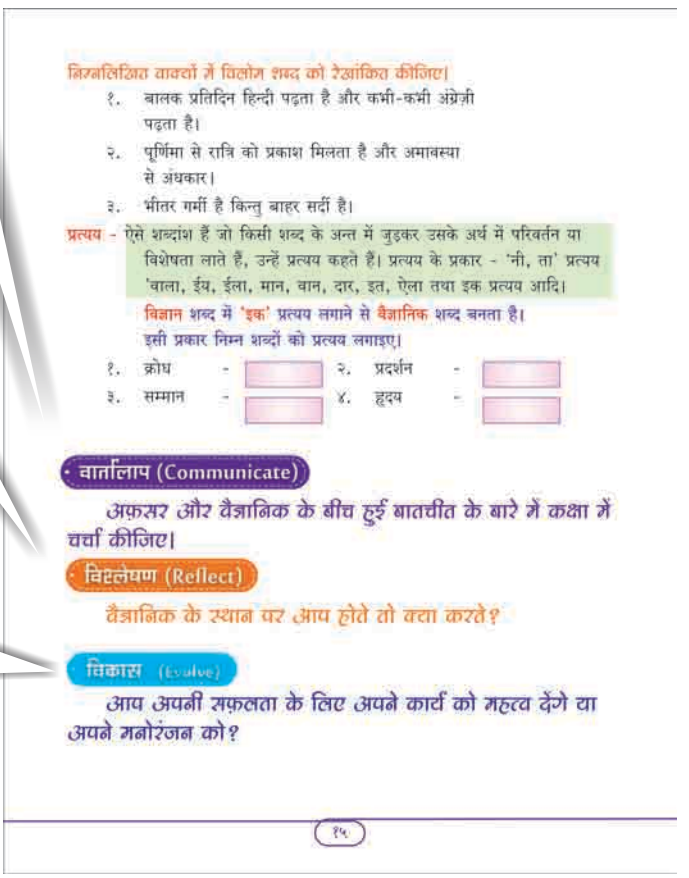

निम्नलिखित वाक्यों में विलोम शब्द को रेखांकित कीजिए।

१. बालक प्रतिदिन हिन्दी पढ़ता है और कभी-कभी अंग्रेज़ी पढ़ता है।
२. पूर्णिमा से रात्रि को प्रकाश मिलता है और अमावस्या से अंधकार।
३. भीतर गर्मी है किन्तु बाहर सर्दी है।

प्रत्यय - ऐसे शब्दांश हैं जो किसी शब्द के अन्त में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन या विशेषता लाते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं। प्रत्यय के प्रकार - 'नी, ता' प्रत्यय 'वाला, ईय, ईला, मान, वान, दार, इत, ऐला तथा इक प्रत्यय आदि।

विज्ञान शब्द में 'इक' प्रत्यय लगाने से वैज्ञानिक शब्द बनता है।

इसी प्रकार निम्न शब्दों को प्रत्यय लगाइए।

१. क्रोध - ____ २. प्रदर्शन - ____
३. सम्मान - ____ ४. हृदय - ____

वार्तालाप (Communicate)

अफ़सर और वैज्ञानिक के बीच हुई बातचीत के बारे में कक्षा में चर्चा कीजिए।

विश्लेषण (Reflect)

वैज्ञानिक के स्थान पर आप होते तो क्या करते?

विकास (Evolve)

आप अपनी सफ़लता के लिए अपने कार्य को महत्व देंगे या अपने मनोरंजन को?

१ भाषा का ज्ञान

भाषा के रूप

- मौखिक भाषा
- लिखित भाषा

मौखिक रूप : जब हम मुख से बोलकर अपने विचार दूसरों तक पहुँचाते हैं, तो वह भाषा का मौखिक रूप कहलाता है ।
Speaking
जैसे: आपस में बातें करना।

लिखित रूप : जब हम अपने विचार लिखकर दूसरों तक पहुँचाते हैं, वह भाषा का लिखित रूप कहलाता है।
Writing
जैसे : पत्र लिखना।

लिपि : हर भाषा के लिखने का ढंग अलग है। लिखने के लिए प्रत्येक भाषा में कुछ चिह्नों को निश्चित किया गया है। यह चिह्न ही लिपि कहलाते हैं। हिंदी की लिपि देवनागरी है।
Script

भारत के अनेक राज्यों में हिंदी बोली जाती है। हर साल १४ सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।)

व्याकरण (Grammar)

परिभाषा - भाषा का शुद्ध या अशुद्ध होना जिस से जाना जा सकता है उसे व्याकरण कहते हैं।

वर्तनी

पत्नि - अशुद्ध	पत्नी - शुद्ध
बिमार - अशुद्ध	बीमार - शुद्ध

संज्ञा (Noun)

किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या व्यक्ति, भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण : अहमद, हैदराबाद, पुस्तक

सर्वनाम (Pronoun)

जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं उन्हें सर्वनाम कहते हैं।

जैसे : मैं, तुम, आप, वे, वह, यह आदि।

उदाहरण : देखो वह आए हैं?

विशेषण (Adjective)

संज्ञा तथा सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं। किसी व्यक्ति या वस्तु की संख्या, गुण, दोष, रंग-रूप, आकार एवं नाप-तौल आदि विशेषताएँ बताने वाले शब्द 'विशेषण' कहलाते हैं। जिसकी विशेषता बताई जाए वे 'विशेष्य' कहलाते हैं।

उदाहरण : ताजमहल सुन्दर इमारत है।

क्रिया (Verb)

जो शब्द किसी काम के करने या होने के बारे में बताएँ, उन्हें क्रिया कहते हैं।

उदाहरण : माँ भोजन बनाती है।

क्रिया विशेषण (Adverb)

जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं। उन्हें क्रिया विशेषण कहते हैं।

उदाहरण : घोड़ा तेज दौड़ता है।

काल (Time)

काल समय को कहते हैं। क्रिया के जिस रूप से कार्य होने के समय का पता चले उसे काल कहते हैं। काल के तीन भेद हैं।

बच्चे खेल रहे हैं। (वर्तमान काल)

मुन्ना कल पाठशाला जाएगा। (भविष्य काल)

मामा जी कल मेरे घर आए थे। (भूतकाल)

लिंग (Gender)

स्त्री जाति या पुरुष जाति की पहचान कराने वाले शब्दों को लिंग कहते हैं।

औरत	स्त्री लिंग
आदमी	पुल्लिंग

विलोम (Opposite)

किसी शब्द का उलटा अर्थ बताने वाले शब्द को विलोम शब्द कहते हैं।

उदाहरण : प्रकाश x अंधकार

अनेकार्थक या भिन्नार्थ (Homonyms)

जिन शब्दों के अनेक अर्थ होते हैं, उन्हें अनेकार्थक या भिन्नार्थ शब्द कहते हैं।

उदाहरण : दल — पक्ष, समूह

पर्यायवाची शब्द (Synonym)

समान अर्थ रखने वाले शब्दों को पर्यायवाची या समानार्थी कहते हैं।

उदाहरण : चाँद, चंद्रमा, शशि

शब्द समूह के लिए एक शब्द (One word substitution)

जो शब्द अनेक शब्दों की जगह पर प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें अनेक शब्दों के लिए एक शब्द या शब्द समूह के लिए एक शब्द भी कहते हैं।

उदाहरण : जो चित्र बनाता है - चित्रकार

जो शिक्षा देता है - शिक्षक

वचन (Number)

शब्द के जिस रूप से यह पता चलता है कि वह एक या एक से अधिक है, उसे वचन कहते हैं।

उदाहरण : कहानी - एकवचन

कहानियाँ - बहुवचन

मुहावरे (Proverb)

किसी भी बात को थोड़ा विशेष प्रकार से कहने के ढंग को मुहावरा कहते हैं। इन मुहावरों का विशेष अर्थ होता है जिससे भाषा में सुंदरता आती है।

उदाहरण : नाक में दम करना - अर्थ - बहुत परेशान करना/तंग करना

रचनाक्रम (Syntax)

चूहों ने तो हमारी नाक में दम कर रखा है।

निबंध (Essay)

निबंध का अर्थ है, व्यवस्थित रूप में बँधा हुआ। निबंध अंग्रेज़ी के एस्से (Essay) शब्द का

पर्यायवाची है। निबंध में सारी बातों को क्रम से लिखना चाहिए। निबंध कम शब्दों में अधिक-से-अधिक लिखना चाहिए।

निबंध के भेद : १) वर्णनात्मक निबंध २) विवरणात्मक निबंध
३) विचारात्मक निबंध ४) भावात्मक निबंध

निबंध के अंग : १) भूमिका २) विषय - विस्तार ३) उपसंहार

पत्र (Letter)

अब कंप्यूटर, इंटरनेट और मोबाइल का समय है, इस लिए पत्र का प्रयोग कम हो गया है, लेकिन आज भी पत्र का अपना महत्व है। अपनी बात दूसरों तक पहुँचाने का सबसे अच्छा माध्यम पत्र ही है।

पत्रों के प्रकार

- औपचारिक पत्र
- अनौपचारिक पत्र

कहानी (Story)

गद्य साहित्य की सबसे प्रमुख विधा कहानी-लेखन, साहित्य का सबसे प्राचीन रूप है। किसी घटना का मनोरंजन से भरपूर चित्रण करना ही कहानी-लेखन कहलाता है। कहानी न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि शिक्षाप्रद भी होती है। लेकिन श्रेष्ठ कहानी वही होती है, जो पाठकों के मन को छू लें। रोचक और मर्मस्पर्शी-भावना से भरी कहानी ही अच्छी कहानी मानी जाती है।

कहानी लिखते समय निम्नलिखित बातों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए-

- कहानी छोटे-छोटे वाक्यों में लिखी जानी चाहिए।
- कहानी का एक उद्देश्य होना चाहिए।
- कहानी शिक्षाप्रद होनी चाहिए।
- कहानी सदैव भूतकाल में लिखी जानी चाहिए।
- कहानी मनोरंजक होनी चाहिए।
- कहानी की भाषा सरल और आकर्षक होनी चाहिए।
- कहानी का शीर्षक छोटा लेकिन प्रभावशाली होना चाहिए।